This question paper contains 3 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

5311

B.A. (Programme) / I A

(L)

HINDI DISCIPLINE – Paper I

(हिन्दी अनुशासन)

(हिन्दी कविता, नाटक तथा हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास)

(प्रवेश वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् – नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए / NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक, NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

1. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) पीछैं लागा जाइ था, लोक बेद के साथि ।
आगैं थैं सतगुर मिल्या, दीपक दीया हाथि ।।

× × × ×

कबीर सतगुर नां मिल्या, रही अधूरी सीष ।
स्वांग जती का पहरि करि, घरि घरि माँगै भीष ।।

(ख) कहत सबै, बेंदी दियैं, आँकु दसगुनौ होतु ।
तिय लिलार बेंदी दियैं, अगिनितु बढ़तु उदोतु ।।

× × × ×

लिखन बैठि जाकी सबी, गहि गहि गरब गरूर ।
भए न केते जगत के, चतुर चितेरे कूर ।।

(ग) जायँ, सिद्धि पावें वे सुख से,
दुखी न हों इस जन के दुख से,
उपालंभ दूँ मैं किस मुख से ।
आज अधिक वे भाते ।
सखि, वे मुझसे कहकर जाते । 8 + 8

2. तुलसीदास **अथवा** सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का साहित्यिक परिचय दीजिए । 7

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित काव्यांशों के आधार पर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) सूरदास के बाल-लीला सम्बन्धित पदों का प्रतिपाद्य लिखिए ।

(ii) घनानन्द के काव्य में अभिव्यक्त विरह-वेदना पर प्रकाश डालिए ।

(iii) 'शेरसिंह का शस्त्र-समर्पण' वीरों की गौरव गाथा के माध्यम से राष्ट्र प्रेम की कविता है, सिद्ध कीजिए ।

(iv) 'चंद्र गहना से लौटती बेर' कविता के माध्यम से कवि का प्रकृति-प्रेम और अपनी धरती से जुड़ाव को स्पष्ट कीजिए । 6 – 6

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सौन्दर्य का ऐसा साक्षात्कार मैंने कभी नहीं किया । जैसे वह सौन्दर्य अस्पृश्य होते हुए भी मांसल हो । मैं उसे छू सकती थी, देख सकती थी, पी सकती थी । तभी मुझे अनुभव हुआ कि वह क्या है जो भावना को कविता का रूप देता है । मैं जीवन में पहली बार समझ पायी कि क्यों कोई पर्वत-शिखरों को सहलाती मेघ-मालाओं में खो जाता है, क्यों किसी को अपने तन-मन की अपेक्षा आकाश में बनते-मिटते चित्रों का इतना मोह हो रहता है ।

अथवा

सोच रहा हूँ कि वह आषाढ़ का ऐसा ही दिन था । ऐसे ही घाटी में मेघ भरे थे और असमय अँधेरा हो आया था । मैंने घाटी में एक आहत हरिणशावक को देखा था और उठा कर यहाँ ले आया था । तुमने उसका उपचार किया था । **8**

5. 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की अभिनेयता पर विचार कीजिए ।

अथवा

मल्लिका का चरित्र-चित्रण कीजिए । **12**

6. (क) आदिकाल **अथवा** रीतिकाल की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए । **10**

(ख) द्विवेदीयुगीन काव्य **अथवा** नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ बताइये । **10**